No. of Printed Pages : 4

MES-012

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

04952

June, 2019

MES-012 : EDUCATION : NATURE AND PURPOSES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

"An aim implies an orderly and ordered activity, one in which the order consists in the progressive completing of a process."

Explain the need and significance of Aims in Education, in the context of John Dewey's definition stated above.

OR

Differentiate between technical and non-technical approaches to Curriculum Development. Describe Taba's Model of Curriculum Development.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain the heterodox school of philosophy with reference to nature of knowledge according to Jain and Buddhist philosophy.

OR

Describe the scope of education from the viewpoint of different learning environments : informal, formal and non-formal.

3. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Discuss Plato's view of education as a synthesis of moulding model and growth model.

(b) What are the key features in the Islamic concept of knowledge ?

(c) Differentiate between the concepts of Acculturation and Enculturation.

(d) Explain Sri Aurobindo's concept of Education as Self-realization.

(e) Describe the impact of emerging social trends on curriculum development.

(f) Differentiate between basic discipline and applied discipline.

4. Answer the following question in about 600 words :

"Education is considered as total development of the individual." Explain how education can develop the human abilities in the three domains : cognitive, affective and psychomotor.

एम.ई.एस.-012

शिक्षा में परास्नातक
एम.ए. (शिक्षा)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2019

एम.ई.एस.-012 : शिक्षा : प्रकृति एवं प्रयोजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

   "एक लक्ष्य में एक नियमित और क्रमबद्ध गतिविधि समाहित होती है, ऐसी, जिसमें एक प्रक्रिया के प्रगतिशील रूप से पूर्ण होने का क्रम समाहित है ।"

   जॉन डुई द्वारा दी गई उपर्युक्त परिभाषा के सन्दर्भ में शिक्षा के लक्ष्यों की आवश्यकता और महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।

   अथवा

   पाठ्यचर्या विकास के तकनीकीगत व ग़ैर-तकनीकीगत उपागमों में अंतर स्पष्ट कीजिए । पाठ्यचर्या विकास के टाबा के प्रतिमान का वर्णन कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

   दर्शन की नास्तिक विचारधारा की व्याख्या जैन एवं बौद्ध दर्शन के अनुसार ज्ञान की प्रकृति के सन्दर्भ में कीजिए ।

   अथवा

   अनौपचारिक, औपचारिक तथा निरौपचारिक विभिन्न अधिगम परिवेशों के दृष्टिकोण से शिक्षा के विषय-क्षेत्र का वर्णन कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) ढालने (moulding) का प्रतिमान और विकास प्रतिमान के संश्लेषण के रूप में शिक्षा सम्बन्धी प्लेटो के विचारों की चर्चा कीजिए ।

(ख) ज्ञान के इस्लामिक संप्रत्यय के मुख्य लक्षण क्या हैं ?

(ग) सांस्कृतिक-संक्रमण तथा संस्कृतिकरण के संप्रत्ययों में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) आत्मबोध के रूप में शिक्षा के श्री अरविन्दो के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) पाठ्यचर्या विकास में उभरती हुई सामाजिक प्रवृत्तियों के प्रभाव का वर्णन कीजिए ।

(च) मूल-शास्त्र और अनुप्रयोगात्मक शास्त्र में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए : "शिक्षा को व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास के रूप में देखा जाता है ।" व्याख्या कीजिए कि शिक्षा मानव की योग्यताओं का संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक तीनों क्षेत्रों में कैसे विकास कर सकती है ।